

Title: Regarding power shortage in U.P., Uttaranchal and Delhi.

श्री नारायण दत्त तिवारी (नैनीताल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा केन्द्र का ध्यान आज जो बिजली का भ्यावह स्थिति है, उसकी ओर दिलाना चाहता हूँ। (व्यवधान)

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Argal, please take your seat. I have called Shri Narayan Datt Tiwari; and he is the senior-most Member in the House.

...(Interruptions)

श्री नारायण दत्त तिवारी : आज बिजली की जो हालत प्रदेशों में है और देश में जो भारी कमी हो रही है, उसकी ओर केन्द्र का ध्यान आकूट करना चाहता हूँ।

MR. SPEAKER: You have to respect him for his age also.

श्री नारायण दत्त तिवारी : आप यमुना नदी के पार चले जाइये, 12-12, 14-14 घंटे बिजली की कटौती महीनों से हो रही है। हालत यह है कि आज 5000 मैगावाट की बिजली की कमी तो अकेले उत्तर प्रदेश में है और 600 मैगावाट की कमी उत्तरांचल में है। उसके ऊपर जो केन्द्रीय बिजलीघर हैं, वे यह धमकी दे रहे हैं और बिजली की कीमत की बात कर रहे हैं, जबकि पांच हजार करोड़ रुपये बिजलीघरों का एक प्रदेश, अकेले उत्तर प्रदेश को देना है। अगर केन्द्र और राज्य मिलकर बिजली की स्थिति के सम्बन्ध में कोई एक कार्यक्रम नहीं बनाते तो उद्योग-धंधे बन्द हो रहे हैं, किसानों की खेती प्रभावित हो रही है, व्यापार प्रभावित हो रहा है, रोजाना अखबारों में खबर भरी है कि कहीं गांवों में बन्द, कहीं हड़तालें, कहीं बिजलीघर पर हमला हो रहा है। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Varkala Radhakrishnan, what are you doing?

श्री नारायण दत्त तिवारी : यह स्थिति उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल में तो है ही, इसके अलावा भी देश के अनेक हिस्सों में बिजली की भारी कमी है। एनरॉन का झगड़ा अभी तक केन्द्र ने तय करने के सम्बन्ध में कोई कदम नहीं उठाया है। जो विदेशी निवेश बिजली के सैक्टर में देश में हो रहा था, वह वापस जा रहे हैं। जहां-जहां भी यह वायदा किया गया था कि पावर सैक्टर में विदेशी निवेश होगा, फॉरेन इन्वेस्टमेंट होगा, वे आज वापस जा रहे हैं तो इस महत्वपूर्ण और अत्यन्त गम्भीर स्थिति के सम्बन्ध में मैं केन्द्र का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। (व्यवधान)